NEWS CLIPPING: 24.02.2017

DAINIK BHASKAR

भारतीय विज्ञान कांग्रेस : प्रो. दिनेश कुमार मेटिरियल साइंस सेक्शन के अध्यक्ष चुने गए

फरीदाबाद | वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार को वर्ष 2017-18 के लिए 105वें

भारतीय विज्ञान कांग्रेस के मेटिरियल साइंस सेक्शन का अध्यक्ष चुना गया है। देश में विज्ञान के विकास एवं प्रोत्साहन के लिए कार्यरत संस्था भारतीय विज्ञान सम्मेलन समिति प्रतिवर्ष विज्ञान सम्मेलन का आयोजन करती है। इसमें विज्ञान के विभिन्न विषयों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को सम्मानित किया जाता है तथा देश में विज्ञान के विकास को लेकर चर्चा एवं समीक्षा भी की जाती है। भारतीय विज्ञान सम्मेलन समिति कोलकाता के सदस्य प्रो. गंगाधर के अनुसार प्रो. दिनेश कुमार को जनवरी 2018 में होने वाले 105वें भारतीय विज्ञान सम्मेलन के लिए मेटिरियल साइंस से संबंधित मामलों का उत्तरदायित्व दिया गया है। अपने चयन पर खुशी जताते हुए प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि मेटिरियल साइंस अपेक्षाकृत नया तथा काफी व्यापक क्षेत्र है। प्रौद्योगिकी में तेजी से हुई प्रगति के कारण मेटिरियल साइंस एवं इंजीनियरिंग का महत्व बढ़ गया है और शोधकर्ता भी इसमें काफी दिलचस्पी ले रहे हैं।

NEWS CLIPPING: 24.02.2017

AMAR UJALA

वाईएमसीए कुलपति दिनेश को भारतीय विज्ञान कांग्रेस में पद

फरीदाबाद (ब्यूरो)। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति दिनेश कुमार को वर्ष 2017-18 के लिए 105वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस के मेटिरियल साइंस सेक्शन का अध्यक्ष चुना गया है। कुलपति दिनेश कुमार ने कहा कि प्रौद्योगिकी में तेजी से हुई प्रगति के कारण मेटिरियल साइंस एवं इंजीनियरिंग का महत्व बढ़ गया है। देश में नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। दिनेश कुमार को माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग एवं सेमीकंडक्टर फिजिक्स के क्षेत्र में वर्ष 2015 के होमी जहांगीर भाभा मेमोरियल पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त करने वाले हरियाणा के पहले व्यक्ति हैं। इन्होंने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, इंग्लैंड से स्नातकोत्तर एवं पीएचडी कर नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान बनाई है। यह फ्रांस इटली, जर्मनी, ऑस्ट्रिया, इंग्लैंड, अमेरिका, रूस, आस्ट्रेलिया में शोध कार्य कर चुके है। अब तक इनके 100 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। उल्लेखनीय है कि देश में विज्ञान के विकास एवं प्रोत्साहन के लिए कार्यरत प्रतिष्ठित संस्था भारतीय विज्ञान सम्मेलन समिति प्रतिवर्ष विज्ञान सम्मेलन का आयोजन करती है।

NEWS CLIPPING: 24.02.2017

PUNJAB KESARI

105वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस में मेटेरियल साईंस सेक्शन के अध्यक्ष होंगे प्रो. दिनेश

फरीदाबाद, 23 फरवरी (सूरजमल): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार को वर्ष 2017-18 के लिए 105वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस के मेटेरियल साईंस सेक्शन का अध्यक्ष चुना गया है।

देश में विज्ञान के विकास एवं प्रोत्साहन के लिए कार्यरत प्रतिष्ठित संस्था भारतीय विज्ञान सम्मेलन समिति प्रतिवर्ष विज्ञान सम्मेलन का आयोजन करती है, जिसमें विज्ञान के विभिन्न विषयों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को सम्मानित किया जाता है तथा देश में विज्ञान के विकास को लेकर चर्चा एवं समीक्षा

■ जनवरी 2018 में होना है 105वीं विज्ञान कांग्रेस का आयोजन

की जाती है। भारतीय विज्ञान सम्मेलन समिति, कोलकाता के सदस्य मामलों के महासचिव प्रो. गंगाधर से मिली जानकारी के अनुसार प्रो. दिनेश कुमार को जनवरी 2018 में होने वाले 105वें भारतीय विज्ञान सम्मेलन के लिए मेटेरियल साईंस से संबंधित मामलों का उत्तरदायित्व दिया गया है। अपने चयन पर प्रसन्नता जताते हुए प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि मेटेरियल साईंस अपेक्षाकृत नया तथा काफी व्यापक क्षेत्र है। प्रौद्योगिकी में तेजी से हुई प्रगति के कारण मेटेरियल साईंस एवं इंजीनियरिंग का महत्व बढ़ गया है और शोधकर्ता भी इसमें काफी दिलचस्पी ले रहे है। उन्होंने कहा कि मेटेरियल साईंस सेक्शन के अध्यक्ष के रूप में वे नये पदार्थों के सृजन पर आधारित शोध को बढ़ावा देने के लिए कार्य करेंगे, जिसके परिणाम स्वरूप देश में मेटेरियल साईंस के साथ-साथ नए इनोवेशन्स को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि आज जरूरत इस बात की है कि मेटेरियल साईंस को अनुसंधान के एक व्यापक विषय जिसमें सूचना-प्रौद्योगिकी, जैव विज्ञान, पर्यावरण तथा ऊर्जा प्रौद्योगिकी शामिल हैं, के रूप में विकसित किया जाए और ऐसे अनुसंधान का समाज के सतत विकास में योगदान हो।

NEWS CLIPPING: 24.02.2017

HINDUSTAN

विज्ञान सम्मेलन में अहम भूमिका निभाएंगे कुलपति

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार वर्ष 2017-18 में होने वाले 105वें भारतीय विज्ञान सम्मेलन में मेटिरियल साइंस सेक्शन के अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभाएंगे।

देश में विज्ञान के विकास एवं प्रोत्साहन के लिए कार्यरत संस्था भारतीय विज्ञान सम्मेलन समिति हर साल इस सम्मेलन का आयोजन करती है। इसमें देश में विज्ञान के विकास को लेकर चर्चा और समीक्षा की जाती है। विज्ञान के विभिन्न विषयों में बेहतरीन काम करने वाले वैज्ञानिकों को सम्मानित भी किया जाता है। भारतीय विज्ञान सम्मेलन समिति कोलकाता के सदस्य मामलों के महासचिव प्रो. गंगाधर ने प्रो. दिनेश कुमार को ये जिम्मेदारी की जानाकारी दी है। प्रो. दिनेश ने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, इंग्लैंड से स्नातकोत्तर एवं पीएचडी करने के बाद नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विशेष पहचान बनाई है। विज्ञान के क्षेत्र में अहम योगदान के लिए वर्ष 2015 के भारतीय विज्ञान सम्मेलन समिति के होमी जहांगीर भाभा मेमोरियल पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं।

NEWS CLIPPING: 24.02.2017

DAINIK JAGRAN

प्रो. दिनेश कुमार बने मेटिरियल साइंस सेक्शन के अध्यक्ष

चंडीगढ़: हरियाणा के जिला फरीदाबाद के वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार को वर्ष 2017-18 के लिए 105वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस के मेटिरियल साईंस सेक्शन का अध्यक्ष चुना गया है। देश में विज्ञान के विकास एवं प्रोत्साहन के लिए कार्यरत प्रतिष्ठित संस्था भारतीय विज्ञान सम्मेलन समिति प्रतिवर्ष विज्ञान सम्मेलन का आयोजन करती है, जिसमें विज्ञान के विभिन्न विषयों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को सम्मानित किया जाता है तथा देश में विज्ञान के विकास को लेकर चर्चा एवं समीक्षा की जाती है।

भारतीय विज्ञान सम्मेलन समिति, कोलकाता के सदस्य मामलों के महासचिव प्रो. गंगाधर द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रो. दिनेश कुमार को जनवरी 2018 में होने वाले 105वें भारतीय विज्ञान सम्मेलन के लिए मेटिरियल साईंस से संबंधित मामलों का उत्तरदायित्व दिया गया है। अपने चयन पर प्रसन्नता जताते हुए प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि मेटिरियल साईंस अपेक्षाकृत नया तथा काफी व्यापक क्षेत्र है। प्रौद्योगिकी में तेजी से हुई प्रगति के कारण मेटिरियल साईंस एवं इंजीनियरिंग का महत्व बढ़ गया है और शोधकर्ता भी इसमें काफी दिलचस्पी ले रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मेटिरियल साईंस सेक्शन के अध्यक्ष के रूप में वे नये पदार्थों के सृजन पर आधारित शोध को बढ़ावा देने के लिए कार्य करेंगे, जिसके परिणाम स्वरूप देश में मेटिरियल साईंस के साथ-साथ नई इनोवेशन्स को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि आज जरूरत इस बात की है कि मेटिरियल साईंस को अनुसंधान के एक व्यापक विषय जिसमें सूचना-प्रौद्योगिकी, जैवविज्ञान, पर्यावरण तथा ऊर्जा प्रौद्योगिकी शामिल हैं, के रूप में विकसित किया जाए प्रो. दिनेश कुमार को देश में

उपलब्धि

- **विज्ञान में विकास एवं प्रोत्साहन के लिए किया गया सम्मानित**
- **प्रतिवर्ष किया जाता है विज्ञान सम्मेलन का आयोजन**

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विकास, विशेष रूप से माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग एवं सेमीकंडक्टर फिजिक्स के क्षेत्र में अनूठे योगदान के लिए वर्ष 2015 के भारतीय विज्ञान सम्मेलन समिति के होमी जहांगीर भाभा मेमोरियल पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है जोकि उन्हें 3 जनवरी, 2016 को मैसूर में आयोजित 103वें भारतीय विज्ञान सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रदान किया गया था। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रो. कुमार हरियाणा के पहले वैज्ञानिक तथा राज्य के किसी भी विश्वविद्यालय के पहले कुलपति है।

कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, इंग्लैंड से स्नातकोत्तर एवं पी.एच.डी. प्रो. दिनेश कुमार ने नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विशेष पहचान बनाई है तथा उन्हें शिक्षण एवं शोध के क्षेत्र में 27 वर्षों से अधिक का अनुभव है। वे फ्रांस, इटली, जर्मनी, ऑस्ट्रिया, इंग्लैंड, अमेरिका, रूस, आस्ट्रेलिया आदि देशों में अपने शोधकार्य के सम्बन्ध में भ्रमण कर चुके हैं तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की विभिन्न वैज्ञानिक एवं अनुसंधानिक सोसाइटियों के सदस्य है। माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक, वीएलएसआई प्रौद्योगिकी, नये इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में उनकी विशेषज्ञता है तथा उनके 100 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके है। वे कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एड टैक्नॉलोजी के निदेशक एवं एनपीमास परियोजना के संयोजक रहे चुके है।

NEWS CLIPPING: 24.02.2017

THE PIONEER

YMCA VC TO LOOK AFTER SESSION OF INDIAN SCIENCE CONGRESS

Chandigarh: Prof. Dinesh Kumar, Vice-Chancellor of YMCA University of Science and Technology, Faridabad has been elected as president of the Section of Material Science for 105th Indian Science Congress for 2017-18. He will look after the matters related to material science for the session of Indian Science Congress to be held in January 2018, said a spokesman. A communication to this effect has been received from Prof. Gangadhar, General Secretary (Membership Affairs), Indian Science Congress, Kolkata.

NEWS CLIPPING: 24.02.2017

DAILY POST

VC elected president of section of material sci

PROF DINESH WILL LOOK AFTER MATTERS RELATED TO MATERIAL SCIENCE FOR THE SESSION OF INDIAN SCIENCE CONGRESS TO BE HELD IN JANUARY 2018

CHANDIGARH: Prof Dinesh Kumar, Vice Chancellor of YMCA University of Science and Technology, Faridabad has been elected as president of the Section of Material Science for 105th Indian Science Congress for 2017–18.

He will look after the matters related to material science for the session of Indian Science Congress to be held in January 2018. While stating this on Thursday, a spokesman of the university said that a communication to this effect has been received from Prof Gangadhar, General Secretary (Membership Affairs), Indian Science Congress, Kolkata. Expressing happiness over his selection, Prof Dinesh Kumar said that materials science is a relatively new and very broad field.

Rapid advances in technology have increased the importance of materials science and engineering in many folds to the society and it has received much attention from researchers. Being the President of the Section of Materials Science, he would work for the promotion of research based on creating materials that would result in true innovations and lead materials sciences through this in the country.

It is a need of the hour to develop material science into a wide area of research that includes information technology, biotechnology, and environment and energy technologies, and to contribute to the building of a sustainable society, he added.

It may be recalled that Prof Dinesh Kumar had been conferred the prestigious Indian Science Congress Association's Homi J Bhabha Memorial Award for the year 2015, which was presented by the Prime Minister Narendra Modi during the 103rd Indian Science Congress held at University of Mysore, Mysore in Karnataka last year. The award had been bestowed on him for his contribution to the development of science and technology in the country, specifically in the area of Microelectronics Engineering and Semiconductor Physics. He is the first Scientist and Vice-Chancellor of any University in Haryana to receive this prestigious award.

He has vast experience in teaching and research and is known for development of Nano Science and Technology. He has visited many countries including France, Germany, Italy, Austria, England, USA, Russia and Australia. A bye-fellow of Selwyn College, Cambridge Prof Dinesh has published more than 100 research papers. *DP*